DR. G. VUAYA MOHAN REDDY (Andhra Pradesh): Corruption should be dealt with a strong hand.

SHRI KAPIL VERMA (Uttar Pradesh) : Government trying to throttle free press is a very very serious matter. Government must intervene and the papers must be restarted. The seal or lock put on the press should be broken and the press should be allowed to function. The editorial office should be opened. In the meanwhile, they can continue with the enquiry. If they want the account books, they can take them. But the press should not be disturbed.

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदय, यह प्रश्न बहुत ही गंभीर है। बदले की भावना से सरकार ने जिस तरह से छापे मारने की कार्यवाही की है, छापा मारा है और साथ ही साथ प्रेस के ऊपर भी जिस तरह से वहां पर हमले किये जा रहे हैं, यह बहुत ही घृणित और निंदनीय कार्य है। सरकार को इस तरह से बदले की भावना से नहीं करना चाहिये और यदि सरकार का यही रवैया रहा तो जिस तरह से असंतोष भड़केगा, मान्यवर, बहुत ही खतरनाक होगा और इस तरह की कार्यवाही जबकि लोग कहते हैं कि बदले की भावना से कार्यवाही नहीं हो रही है, यह हमारे जनतंत्र पर, भी राजनीति करने वाले लोगों के लिये भी एक बहुत ही गलत तरीके से अन्याय करने की कोशिश की जा रही है। इस पर सरकार को बहुत ही गंभीरता से ध्यान देना चाहिये और यह कहना चाहिये कि किसी भी नेता के खिलाफ जो राजनीति में है, बदले की भावना से कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी । यह सदन को आश्वासन देना चाहिये, जनता को बताना चाहिये। यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। मैं भी इससे अपने को संबद्ध करता हूं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): I had requested you to speak on the Special Mention standing in your name. I requested you to speak on your Special Mention... *{Interruptions)* ...

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR (Uttar Pradeh): Sir, please give me one minute, on this issue. On behalf of my party.. .

SHRIMATI JAYANTHI NATARA-JAN (Tamil Nadu): Sir, will you allow me also? I also want to speak.. . *{Interruptions) .. .*

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: I associate fully.. . *(Interruptions)*

SHRIMATI JAYANTHI NATARA-JAN: Sir, will you allow me?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY); No, we cannot convert this into a discussion.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: Sir, association you have been allowing. On behalf of my party, I want to associate fully with the sentiments expressed by my friend.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A BABY): That is sufficient.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR; No. Why hurry? You have been allowing it. I actually condemn the Government action on sealing the press. If they have done anything wrong, the law should take the proper course. The press should be opened and the journalists should be .allowed to work.

Demand for abolition of practice of carrying Night-Soil on human heads

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदय, इस विशेष उल्लेख के माध्यम से एक ऐसे महत्वपूर्ण और शर्मनाक विषय पर जो समाज के लिए भी कलक है और देश के लिए भी जबर्दस्त कलंक नहीं अभिशाप भी है उसकी ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता है । आज भी समाज में जिस तरह से मानव द्वारा मानव के मल-मूत्र नॉइट सॉयल को धोया जा रहा है यह प्रथा बहुत ही खतरनाक है । इस समय देश के सभी राज्यों में जितनी हमारी नगरपालिकाएं हैं, टाउन एरियाज हैं, या और भी शहर हैं उनमें भी हमारे देश के इंसान मजबूरीवश इस काम को करते हैं। गांधी जी ने रंगभेद के खिलाफ अफ्रीका में जिस तरह से आंदोलन छेड़ा था उसी

[श्री राम नरेश यादव]

तरह से वहां से आने के बाद जब यहां की यह स्थिति देखी तो उन्होंने इस बात का फैसला किया कि उन गंदी बस्तियों में जायेंगे और वह गये । उन्होंने अछूतोद्धार के नाम से इस सवाल को करने का बीड़ा उठाया और पूरे देश की जनता का ध्यान इस ओर आकर्षित करने का काम किया । बाबा साहेब अम्बेडकर ने भी, जो दलित समाज में आते थे उनके मामले को पूरे देश में उठाने का काम किया । जब संविधान बनने का मौका आया तो उस समय भी संविधान में सामाजिक न्याय दिलाने के लिए, आर्थिक न्याय दिलाने के लिए, राजनीतिक न्याय दिलाने के लिए व्यवस्था की गयी । अनटचेबिलिटी पर भी अंकुश लगाने की व्यवस्था उस संविधान के द्वारा करके यह कहा गया यदि इस पर अंकुश लग जाता तो अछूतपन नहीं रहेगा । इन सारी चीजों के बावजूद आज हमारे देश में कुछ जातियां ऐसी हैं जो इस काम को कर रही हैं । इस सरकार ने सामाजिक न्याय वर्ष भी मनाने का फैसला किया है । ढिंढोरा पीटा है कि 90-91 का वर्ष सामाजिक न्याय का वर्ष मना कर जो इस तरह का अन्याय, हैं, शोषण है जिसमें इंसान इंसान को नहीं समझता उसको हम समाप्त करने का काम करेंगे । मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह निवेदन है कि जब संविधान में सामाजिक न्याय के लिए व्यवस्था की गयी है तो इस सामाजिक न्याय वर्ष में सरकार इस बात की घोषणा करे कि हम इस वर्ष के अंदर इस पर प्रतिबंध लगाने का काम करेंगे और प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ इसमें जो लोग लगे हुए हैं उनके लिए भी रोजी-रोटी के अवसर देंगे । सरकार को यह ध्यान देना होगा कि जब तक ऐसी व्यवस्था नहीं होती है तब तक उन बेचारों के लिए रोजी-रोटी का सवाल बना रहेगा । इसलिए इस सवाल पर सरकार को गम्भीरता से ध्यान देना चाहिए ।

साथ ही एक दूसरा प्रश्न उसके साथ जुड़ा हुआ है और वह यह है कि सुलभ शौचालय की व्यवस्था भी बड़े व्यापक पैमाने पर सरकार को बनाने का निर्णय लेना चाहिए । उसमें लोगों को आर्थिक सहयोग देना चाहिए ताकि जहां पर उनका राष्ट्रीय धारा से जुड़ने का काम हो जायेगा उसके साथ-साथ उनको जीविका भी उपलब्ध हो जायेगी । यह जो हमारे देश के ऊपर कलंक लगा हुआ है यह कलंक भी समाप्त हो जायेगा । इन्हीं शब्दों के साथ इस विशेष उल्लेख के माध्यम से सरकार से आग्रह है कि सरकार इस सदन के माध्यम से इस बात की घोषणा करे कि इस "सामाजिक न्याय वर्ष के" अंत होते-होते हम इस पर पूर्ण पाबन्दी लगायेंगे और उनको राष्ट्रीय धारा से जोड़ने का काम भी किया जायेगा । धन्यवाद ।

चौधरी हरि सिंह (उत्तर प्रदेश) : मैं भी अपने आपको इस विशेष उल्लेख की भावनाओं से अपने आपको एसोसिएट करता हूं और सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि मल ढोने की व्यवस्था को तुरन्त बंद करे ।

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): More and more *souchalayas* should be built.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M, A, BABY); I don't think there is any difference of opinion among Members on, this particular issue. The whole House associates with this.

SHRI P. K. KUNJACHEN (Kerala): I also associate.

Provision of water and electricity in Deogarli, Bihar

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : महोदय, मैं अपने इस विशेष उल्लेख के द्वारा सरकार का ध्यान बिहार में संथाल परगना में देवघर में बाबा वैद्यनाथ की पूजा करने के लिए रोजाना लाखों की संख्या में आने वाले तीर्थ यात्रियों की तरफ दिलाना चाहता हूं जो उस मंदिर के प्रांगण में एक कुआं जिसको चन्द्र कूप कहते हैं उससे पानी निकालकर वैद्यनाथ के शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं, लेकिन आज वह कुंआ सूख गया है । इस महीने तो उनकी चार-पांच लाख तक भी पहुंच जाती है । लेकिन आज तीर्थ यात्रियों को जल चढ़ाने के लिए पानी नहीं